राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

नैतिक मूल्यों की ज्योति प्रज्जवलित की महर्षि दयानन्द सरस्वती ने
आचरण में सकारात्मकता से विकृतियां दूर हो सकेगी – राज्यपाल

जयपुर, 30 अक्टूबर। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा है कि आचरण में सकारात्मता लाने से ही समाज से विकृतियां दूर हो सकेगी। महर्षि दयानन्द सरस्वती ने समाज में नैतिक मूल्यों की ज्योति प्रज्ज्वलित की। विश्व में भारतीयता को आत्मसात कराने का कार्य महर्षि दयानन्द सरस्वती ने ही किया। राज्यपाल ने कहा कि स्वयं को ही श्रेष्ठ ना समझे, दूसरे को नीचा न दिखाये, गाली ना दें और नकारात्मक सोच को समाप्त करेंगे तो समाज में नव जागृति आएगी।

राज्यपाल श्री मिश्र बुधवार को अजमेर के महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय में सामाजिक क्रान्ति के अग्रदूत महर्षि दयानन्द सरस्वती विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। इस संगोष्ठी का आयोजन महर्षि दयानन्द सरस्वती के 137वें बलिदान दिवस पर किया गया। राज्यपाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर संगोष्ठी का शुभारम्भ किया।

राज्यपाल ने कहा कि वैदिक विज्ञान के माध्यम से महर्षि सरस्वती ने समाज में सामाजिक क्रान्ति की अलख जगाई। उनका जीवन संघर्षों से भरा रहा। नैतिकता के पथ पर चल कर समाज को नई दिशा महर्षि सरस्वती जी ने दी। महर्षि वेदों के प्रकाण्ड विद्वान थे। शब्दों में आरोह–अवरोह, उच्चारण कैसे हो, यह सब वे तर्कों से समझाते थे। श्री मिश्र ने कहा कि महर्षि का अजमेर से बहुत जुडाव था। अजमेर में अनेक स्थानों पर महर्षि जी ने प्रवास कर लोगों में सामाजिक चेतना जगाई और विकृतियों को दूर करने के लिए सकारात्मक वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।

राज्यपाल ने कहा कि महर्षि जी ने समाज में सामूहिक शक्ति का संचारण, देश भक्ति और अनन्त शक्ति का बोध कराया। महर्षि जी ने वैदिक प्रमाणों के आधार पर समाज मे फैली कुरीतियों, अंधविश्वास, बाल विवाह, बली प्रथा जैसी अनेक कुप्रथाओं को समाप्त कराया। महर्षि सरस्वती ने ज्ञान प्राप्ति की दिशा में उन्मुख कार्य किये। उन्होंने परोपकारिणी सभा को उत्तराधिकारी के रूप में स्थापित किया। उनके द्वारा लिखे सत्यार्थ प्रकाश ने गलत धारणाओं को उखाड़ फैंका। जो लोग भारत के धार्मिक ग्रन्थों का मजाक उड़ाते थे, उन सब लोगों को इस ग्रन्थ के माध्यम से महर्षि ने मुंहतोड़ जवाब दिया।

राज्यपाल ने कहा कि अजमेर पुष्कर व ख्वाजा साहब की पवित्र धरती है। इस धरती पर हो रही इस संगोष्ठी के निष्कर्षों से नवनीत निकलेगा। राज्यपाल ने कहा कि सात्विक प्रवृति, शान्ति, सद्भाव, शिक्षा के प्रति उत्कंठा, इन्द्रियों और क्रोध पर नियंत्रण से हम समाज में सकारात्मक वातावरण के निर्माण से सक्रिय भागीदारी निभा सकते है।

संगोष्ठी में श्रीमत दयानन्द आश्रम गुरूकुल गौतम नगर दिल्ली के अधिष्ठाता स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती ने कहा कि समाज में क्रान्ति एकाएक नही आती है। क्रान्ति प्रदायक व्यक्ति को स्वयं में क्रान्ति का सूत्रापात करना होता है। महर्षि दयानन्द सरस्वती ने पाखण्ड का खात्मा कर सच्चे ईश्वर की प्राप्ति के लिए क्रान्ति की। उन्होंने वेद प्रमाण के आधार पर ज्ञान के क्षेत्रों में क्रान्ति पैदा की। वर्णमाला की देवनागरी लिपि के उच्चारण पर विशेष ध्यान दिया। वेदो को आमजन की भाषा में उपलब्ध कराने के लिए वेदांग प्रकाश की रचना की। अछूतोद्धार, महिला शिक्षा तथा सामाजिक समरसता के कार्य किए। नई पीढ़ी को उनसे प्रेरणा निरन्तर मिलती रहेगी।

संगोष्ठी के शुभारम्भ समारोह में महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलपति श्री आर.पी. सिंह ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के द्वारा पारम्परिक पाठ्यक्रम के अतिरिक्त शोध के आयाम प्रदान करने के लिए चार शोधपीठो की स्थापना की गई है। इनमें सिंध, डॉ. भीमराव अम्बेडकर, पृथ्वीराज चौहान एवं दयानन्द सरस्वती शोधपीठ शामिल है। इस मौके पर महर्षि दयानन्द शोधपीठ के निदेशक एवं संगोष्ठी संयोजक प्रो. प्रवीण माथुर ने कहा कि शोधपीठ के माध्यम से आयोजित यह तीसरी राष्ट्रीय संगोष्ठी है। शोधपीठ वैदिक साहित्य एवं दयानन्द कृतित्व पर शोध का डिजिटललाईजेशन करने की योजना पर कार्य कर रही है। समारोह में विश्वविद्यालय द्वारा राज्यपाल को अभिनन्दन पत्र भी भेंट किया गया। संगोष्ठी का संचालन प्रो. रितु माथुर ने किया।

राज्यपाल को पुस्तक भेंट – राज्यपाल श्री कलराज मिश्र को महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय के पृथ्वीराज चौहान एतिहासिक एवं सांस्कृतिक शोध केन्द्र की पुस्तक ''एतिहासिक काल क्रम में गुर्जर'' की प्रति भेंट की गई। यह पुस्तक शोध केन्द्र के निदेशक डॉ शिवदयाल द्वारा संपादित है। इस पुस्तक में छ : राज्यों के विद्वानों के लेखों को स्थान दिया गया है। पूर्व विधायक डॉ. श्रीगोपाल बाहेती ने राज्यपाल श्री कलराज मिश्र को सत्यार्थ प्रकाश, गोकरूणानिधि एवं व्यवहारभानु पुस्तक भेंट की। संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह में वानप्रस्थ शोधक आश्रम रोजड़ के प्रमुख आचार्य सत्यजीत, सांसद श्री भागीरथ चौधरी, महापौर श्री धर्मेन्द्र गहलोत, किशनगढ़ केन्द्रीय विद्यालय विश्वविद्यालय के कुलपति श्री अरूण के. पुजारी, पूर्व शिक्षा राज्यमंत्री श्री वासुदेव देवनानी, पूर्व छात्र एल्यूमिनि संगठन के अध्यक्ष श्री शक्ति प्रताप सिंह, जीसीए के प्राचार्य श्री मुन्नालाल अग्रवाल सहित अनेक अधिष्ठाता, वानप्रस्थी, प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

राज्यपाल ने दरगाह में चादर चढ़ाई देश में अमन चैन की दुआ की – राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने बुधवार को अजमेर में ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में चादर चढ़ाई तथा अकीदत के फूल पेश कर देश एवं प्रदेश में अमन चैन की दुआ की। उनके साथ राज्य की प्रथम महिला एवं राज्यपाल की पत्नी श्रीमती सत्यवती मिश्र भी उपस्थित थी।राज्यपाल का दरगाह पहुंचने पर अंजुमन के पदाधिकारियों ने राज्यपाल का इस्तकबाल किया और उनकी दस्तारबंदी की। **फोटो –7 से 11**

रेन वाटर हार्वेस्टिंग कार्यों पर जोर दें – राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने जिला स्तरीय अधिकारियों से कहा कि वे वर्षा जल का अधिकतम सदुपयोग करने के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग कार्यों पर जोर दें।राज्यपाल बुधवार को अजमेर सर्किट हाउस में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस बार वर्षा काफी अच्छी हुई है। ऐसे में वर्षा जल को सहेजने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वर्षा जल के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर बनाए जाने चाहिए। जल ही जीवन का आधार है। इससे पेयजल की व्यवस्था भी हो सकेगी। इस मौके पर जिला कलक्टर श्री विश्व मोहन शर्मा ने बताया कि अजमेर जिला जल शक्ति अभियान के अन्तर्गत प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा है। वर्षा जल के संरक्षण के लिए जिले में प्रयास निरन्तर जारी है। इस मौके पर संभागीय आयुक्त श्री एल.एन.मीणा, एडीए आयुक्त श्री गौरव अग्रवाल सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

———

डॉ. लोकेश चन्द्र शर्मा
सहायक निदेशक (जनसम्पर्क), राज्यपाल